मात्स्यिकी शिक्षा में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन एवं छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु अधिष्ठाता (डीन) सम्मेलन

प्रतिवेदन - 6 अगस्त 2024

मात्स्यिकी शिक्षा में नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन और छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए डीन सम्मेलन का आयोजन दिनांक 6 अगस्त 2024 को भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई (समतुल्य विश्वविद्यालय) में एनएएचईपी-सीएएएसटी परियोजना के तहत किया गया। के.मा.शि.सं., के निदेशक एवं कुलपति डॉ. रविशंकर सी.एन. ने भा.कृ.अनु.प. के उप महानिदेशक (मात्स्यिकी) डॉ. जे. के. जेना एवं 28 मत्स्य महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के डीन का स्वागत किया, जिन्होंने इस अवसर पर भाग लिया। सीआईएफई के संकाय सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। एनईपी 2020 के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें मल्टीपल एंट्री मल्टीपल एग्जिट, बहु-विषयक पाठ्यक्रम, छात्र नामांकन में वृद्धि, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, सैंडविच डिग्री प्रोग्राम, कौशल विकास आदि शामिल हैं। उप महानिदेशक (मात्स्यिकी) और डॉ एन पी साहू, संयुक्त निदेशक,के.मा.शि.सं, मुंबई और पीआई, एनएएचईपी-सीएएएसटी परियोजना से चर्चा और स्पष्टीकरण के माध्यम से कई मुद्दों और चिंताओं का समाधान किया गया। डीडीजी मात्स्यिकी ने भा.कृ.अनु.प. से संबंधित कॉलेजों/विश्वविद्यालयों की विशिष्ट चिंताओं को भी नोट किया। इस अवसर पर, सीआईएफई छात्र-उद्यमियों के तीन समूहों ने अपने व्यावसायिक विचार प्रस्तुत किए और अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसे प्रतिनिधियों ने बहुत सराहा। डॉ अपर्णा चौधरी, डीन (अकादमिक) और डॉ रूपम शर्मा (नोडल अधिकारी, एनएएचईपी-सीएएएसटी परियोजना) ने इस कार्यक्रम के संगठन का समन्वय किया।